Timax®

4

मधुर हिंदी

NEP 2020
ENHANCED EDITION

अध्यापक सहायक-पुस्तिका

कक्षा- 4
पाठ- 1

मौखिक

(क) ईश्वर ने (ख) चिड़िया (ग) सूर्य की किरणें
(घ) प्रेम व शांति का (ङ) खेतों में

लिखित

(क) खूबसूरत प्रकृति वाले इस देश में सुबह-सवेरे चिड़ियाँ चहचहाकर मधुर गीत गाती हैं। सुख देने वाली हवाएँ बहती हैं तथा खेतों में हरियाली छा जाती है। मेरे देश में जल की स्वच्छ व निर्मल धाराएँ बहती हैं। मुझे अपना देश सपनों सा सुंदर लगता है।

(ख) सुबह-सुबह सूर्य की किरणे घर आँगन को खुशियों से भर देती हैं। चिड़िया मधुर गीत गाती है।

(ग) अंतिम चार पंक्तियाँ मन को छू गई। यहाँ समी धर्मों के लोग अमन व शांति से रहते है। यहाँ जल की स्वच्छ व निर्मल धारा बहकर इसे और भी सुंदर बना देती है।

(घ) अनोखा- देश
मेरा प्यारा भारत
अद्‌भुत सौंदर्य युक्त देश

2. स्वयं करेंगे।
3. (क) सँवारा (ख) देश (ग) सुनाती (घ) भाँति
(ङ) हरियाली (च) घूमे
4. (क) (iii) ईश्वर ने (ख) (iii) दोंनों (ग) (iii) कबीर

कविता से आगे...

1. हम पढ़ लिखकर देश को उन्नत और खुशहाल बनाने का प्रयत्न करेंगे। हम इसे स्वच्छ रखेंगे ताकि पर्यटक आकर हमारी सभ्यता व संस्कृति को जान सकें, पहचान सकें। हम उन्हें इसकी गौरव गाथाएँ सुनाएँगे।
2. यहाँ भेदभाव नहीं है। सभी धर्मों के लोग अपने-अपने धर्म को मानते हुए खुशहाल जीवन जीते हैं। सुख-दुख में एक-दूसरे का साथ देते हैं।

भाषा और व्याकरण

1. (ख) बहती नदी (ग) भयंकर युद्‌ध (घ) सफ़ेद बर्फ (ङ) साहसी बालक
(च) पराक्रमी योद्धा
2. (क) निर्झर (ख) शिक्षा (ग) तेवर (घ) कठोर
(ङ) कार्य (च) कांटा (छ) दिवाकर
3. (क) घृणा (ख) असुंदर (ग) गीला
(घ) अस्वच्छ (ङ) विशेष (च) दुख

आओ कुछ करें

स्वयं करेंगे।

पाठ 2

मौखिक

(क) चौथा-मित्र (ख) सामान्य-बुद्धि (ग) शेर को
(घ) पेड़ पर चढ़ गया (ङ) तीसरे मित्र ने

लिखित

(क) चारों ने शेर की हड्डियों का ढाँचा देखा।
(ख) मित्रों ने विदेश जाकर धन इकट्ठा करने का निश्चय किया।
(ग) हड्डियों पर माँस पेशियाँ लगाने का कार्य किया।
(घ) मांसाहारी जीवन है। यह हम सब को खा जाएगा।
(ङ) उनमें व्यावहारिक ज्ञान की कमी थी। उन्हें अच्छे-बुरे की पहचान नहीं थी।

2. (क) बात (ख) शेर (ग) सभी
(घ) शास्त्रों, विद्याओं (ङ) चौथा
3. (क) (iii) मित्र (ख) (iv) अस्थिपंजर (ग) (v) वृक्ष पर
(घ) (ii) अभिमानी (ङ) (i) ज़रूरी
4. (क) (iii) चौथा (ख) (i) शेर की
(ग) (iii) वृक्ष पर (घ) (ii) चौथा

पाठ से आगे

1. घर चलाने के लिए पुस्तकीय नहीं व्यावहारिक ज्ञान व अनुभव की आवश्यकता होती है। बच्चों को घर चलाने के लिए दिए गए अधिक पैसे भी वक्त से पहले खर्च हो जाते है जबकि बड़े उससे कम पैसों में अच्छे से घर चला सकते हैं।
2. हम पहले अपने माता-पिता से बात करते हैं। वे हमसे बड़े व अनुभवी है। हमारी समस्या का समाधान आसानी से कर सकते है। लेकिन अपनी छोटी-छोटी समस्याओं का समाधान हम स्वयं करते हैं।

भाषा और व्याकरण

1. (क) हड्डियों का ढाँचा दिखाई पड़ा। (ख) मैं पेंसिल से लिखता हूँ।
(ग) मुझे यकीन है कि आप अवश्य आएँगे।
(घ) लड़की पानी पिला रही थी। (ङ) चारों मित्रों में चौथा बुद्धिमान था।
2. (क) सम् + मान = सम्मान (ख) बुद्धिमान + मान = बुद्धिमान
(ग) अभि + मान = अभिमान (घ) श्री + मान = श्रीमान
(ङ) शक्ति + मान = शक्तिमान (च) गुण + वान = गुणवान
(छ) पहल + वान = पहलवान (ज) धन + वान = धनवान
3. (क) निर्माण (ख) जीवित (ग) ताकतवर (घ) अनावश्यक
(ङ) दूर (च) ज़्यादा

आओ कुछ करें

स्वयं करेंगे।

पाठ 3

मौखिक

(क) रूखा सूखा भूसा (ख) गया प्रसाद (झूरी की पत्नी का भाई)
(ग) झूरी की पत्नी का भाई (घ) गया प्रसाद
(ङ) साँड़

लिखित

(क) बहुत अच्छा व्यवहार किया उन्हें प्यार से रोटी भी खिलाई।
(ख) प्यार की व अपनत्व की आशा करते हैं।
(ग) अत्याचार से तंग आकर हीरा-मोती रस्सी तोड़कर भाग निकले।
(घ) भैंसे, घोड़े, घोड़ियाँ, बकरियाँ और गधे आदि रहते थे।
(ङ) हीरा ने सामने से व मोती ने पीछे से साँड़ पर वार किया जिससे साँड घबराकर भाग गया।
(च) काँजी, हाउस में हीर-मोती ने दीवार तोड़कर सभी जानवरों को भगा दिया।

2. (क) गया प्रसाद (ख) साँड (ग) रूखा-सूखा (घ) रखवालों
(ङ) व्यापारी
3. (घ) I (ग) II (क) III (ङ) IV
(ख) V
4. (क) (ii) किसान (ख) (ii) मटर के (ग) (iii) कॉजी हाउस में
(घ) (iii) लड़की ने (ङ) (iii) हाथी

पाठ से आगे

स्वयं करेंगे।

भाषा और व्याकरण

1. (क) लोहा पीतल ताँबा
(ख) गंगा यमुना सरस्वती
(ग) भारत अमेरिका इंग्लैंड
(घ) जनवरी फरवरी मार्च
(ङ) हिंद महासागर, प्रशांत महासागर, अरब सागर
2. (क) झूरी को अपने बैलों से बहुत प्यार था।
(ख) अब हीरा और मोती आज़ाद थे।
(ग) तुम्हें देखकर रवि डर गया।
(घ) गया के घर में एक छोटी-सी लड़की थी।
(ङ) सरिता स्कूल जा रही है।
3. (क) किसान (ख) नीलाम (ग) परन्तु
(घ) रस्सियाँ (ङ) शरीर (च) कोशिश
(छ) आरती (ज) पापी
4. (ख) जलन होना (ईर्ष्या करना) (ग) बिना सोचे समझे
(घ) मुसीबत में होना (ङ) भाग जाना

(च) नष्ट हो जाना

आओ कुछ करें

1. और 3. स्वयं करेंगे।

2. सेवा में
अधिकारी महोदय,
मुख्य नगर निगम,
नई दिल्ली।

विषयः आवारा पुशओं से होने वाली परेशानी हेतु पत्र।

मान्यवर,

मैं रोहिणी सेक्टर-25 का निवासी हूँ और हमारे क्षेत्र में घूमने वाले आवारा पशुओं से परेशान हूँ।

यहाँ लोग कूड़ा डाल जाते हैं जिसके रहते बहुत से पशु उनमें मुँह मारने के लिए घूमते रहते हैं। जगह-जगह पर गंदगी फैली है। वहाँ से निकलना मुश्किल हो गया है। कई बार ये छोटे बच्चों के पीछे पड़कर उन्हें नुकसान पहुँचा चुके हैं।

आपसे अनुरोध है कि हमारी इस समस्या का हल जल्द से जल्द निकालें ताकि हम आराम से जीवन जी सकें।

धन्यवाद।

भवदीय

वरुण चावला (सभी क्षेत्रवासी)

..जनवरी, 20..

पाठ 4

मौखिक

(क) जवाहरलाल नेहरू ने अपनी पुत्री इंदिरा गांधी को लिखा था।

(ख) इलाहाबाद से

(ग) ये पहाड़, समुद्र, सितारे, नदियाँ, जंगल, जानवरों की पुरानी हड्डियों आदि से हम दुनिया का पुराना हाल जान सकते हैं।

(घ) चट्टान का एक भाग था।

(ङ) इसे समझने के लिए चट्टान के विषय में जानना व समझना होगा। जैसे पुस्तकों में हम पढ़ते हैं वैसे ही प्रकृति को समझना होगा।

लिखित

(क) इंग्लैंड केवल एक छोटा-सा टापू है, और हिन्दुस्तान जो एक बहुत बड़ा देश है, फिर भी दुनिया का एक छोटा-सा हिस्सा है।

(ख) बेटी मसूरी में है और लेखक इलाहाबाद में इसलिए वे आपस में बात नहीं कर पाते।

(ग) संसार रूपी पुस्तक को पढ़ना चाहिए।

(घ) ये पहाड़, समुद्र, सितारे, नदियाँ, जंगल, जानवरों की पुरानी हड्डियों आदि से

हम दुनिया का पुराना हाल जान सकते हैं।

(ङ) अपनी कहानी बताता है कि कैसे वह चट्टान के बड़े हिस्से से टूटकर नदियों, घाटियों में रगड़ खाकर गोल व चमकीला बन गया।

2. क - 1
   ख - 2
   ग - 3
   घ - 4
   ङ - 5

3. (क) (iii) दोनों (ख) (iii) अंग्रेज़ी (ग) (iii) जेल में
   (घ) (i) एक छोटे से रोड़े को (ङ) (ii) पत्थरों से

पाठ से आगे...

1. ई-मेल से, मोबाइल चैट से, विडियो चैट से, वट्सऐप से
2. छोटे बच्चों को प्रकृति के साथ जोड़ने का इससे अच्छा तरीका नहीं हो सकता। हमें भी बचपन में माँ चंदा मामा, चाँद, सितारों की, पेड़-पौधों की कहानियाँ इसीलिए सुनाती थी। अतः हम नेहरू जी के विचारों से पूरी तरह सहमत हैं।

भाषा और व्याकरण

1. (क) पाहन (ख) सरिता (ग) भूधर (घ) कण
   (ङ) शिला (च) कानन (छ) संसार (ज) किताब
2. ख - इ + ल् + आ + ह् + आ + ब् + आ + द् + अ
   ग -ज् + अ + व् + आ + ब् + अ
   घ -क् + अ + ठ् + ओ + र् + अ
   ङ -च् + अ + म् + अ + क् + ई + ल् + आ
   च -प् + उ + स् + त् + अ + क् + अ
3. तुम, मेरे, मुझसे, मैं, उनका, तुम, मैं, हम, उस, मैं, तुम्हें

आओं कुछ करें

1. और 3. स्वयं करेंगे।
2. पूज्य पिता जी,
   सादर प्रणाम।

आप का पत्र पढ़कर आनंद आया तथा बहुत सी बातों की जनकारी भी मिली। यदि हर कोई प्रकृति के विषय में जान ले व समझ ले तो आज हमें जिन परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है वह न हो। प्रकृति हमारी सहचरी है। हमें इससे कितना कुछ प्राप्त होता है। ईश्वर ने यह दुनिया इतनी खूबसूरत बनाई है कि हमें इसकी सुंदरता को बनाए रखना है। आपने पत्र द्वारा मुझे न केवल जानकारी दी है अपितु कुछ सोचने पर भी मज़बूर किया है। इस पत्र के पश्चात् मैं प्रकृति को इस रूप में जानने व समझने का प्रयत्न करूँगी।

आपकी पुत्री

इन्दु

पाठ 5

मौखिक

(क) खेतों से (ख) अंडों से

(ग) जब बच्चे छोड़कर चले जाएँगे तब भी हम सब तेरे साथ होंगे तू घबराना मत।

(घ) घरौंदा अथवा घोंसला

लिखित

(क) नन्ही-सी चिड़िया भी अपने परिवार को भरण-पोषण करने के लिए परिश्रम करती है। हमें भी ऐसा ही करना चाहिए।

(ख) बच्चे उड़ जाएँगे और अपना नया घरौंदा बनाएँगे।

(ग) तिनके लाकर घोंसला बनाती है, अंड़े सेती है, छोटे बच्चों के लिए भोजन लाकर उन्हें खिलाती है।

(घ) बरतन में ठण्डा पानी रखेगी, उसके अण्डों की रखवाली करेगी, बच्चों के जाने के बाद उसकी रखवाली करेगी।

(ङ) घोंसला बनाती है, दाना लाती है, नदियों से जल लाकर उन्हें पिलाती है।

2. स्वयं करेंगे।

3. (क) (ii) पेड़ के फल लाना (ख) (ii) ठण्डा

(ग) (ii) पुनरुक्त शब्द

कविता से आगे...

1. हमें भी नन्हीं चिड़िया अच्छी लगती है। उसके लिए दाना डालेंगे, बर्तन में पानी रखेंगे। उसे बिल्ली, कुत्ता अपना आहार, न बना ले इसके लिए सावधान रहेंगे।

2. इन्हें कैद करके न रखें खुले आकाश में विचरण करने दें। स्लोगन लिखकर लोगों को जागरुक बनाने का प्रयत्न करेंगे।

भाषा और व्याकरण

1. उनके, हम, तेरे, तू

2. (क) भूतकान (ख) भविष्यत् काल (ग) वर्तमान काल

(घ) वर्तमान काल (ङ) भविष्यत् काल (च) वर्तमान काल

(छ) वर्तमान काल

3. (क) दाना (ख) खेतों (ग) अंडा (घ) बच्चे

(ङ) घोंसला (च) नदियाँ (छ) नन्हा (ज) डालें

आओ कुछ करें

1. स्वयं करेंगे।

2. यह चिड़िया का चित्र है। यह बहुत छोटी मगर सुंदर होती है। अपने बच्चों के लिए घोंसला बनाती है। फिर भोजन की तलाश में यहाँ-वहाँ घूमती है। घोंसले में आकर उन्हें भोजन कराती है। यह दिल्ली का राष्ट्रीय पक्षी है। इसकी चहचहाहट सबको मुग्ध करती है। मोबाईल टॉवर से इसे बहुत नुकसान हुआ है। इस कारण इसकी संख्या दिन-पर-दिन कम होती जा रही है।

पाठ 6

मौखिक

(क) तीस रोजों के पश्चात रमजान माह में ईद आती हैं

(ख) 3 पैसे

(ग) अब्बा जान रुपये कमाने गए है। अम्मीजान अल्लाहमियाँ के घर से उसके लिए बहुत सी अच्छी चीज़े लाने गई है इसलिए हामिद प्रसन्न है।

(घ) चिमटा लाया

लिखित

(क) मनोहर, सुहावना प्रभात था। वृक्षों पर हरियाली व रौनक थी। आसमान में लालिमा थी। आज का सूर्य प्यारा और शीतल लग रहा था।

(ख) आज ईद का दिन है और उसके घर में एक दाना तक न था वह इसलिए उदास थी।

(ग) मिट्टी के तो हैं गिरेंगे तो चकनाचूर हो जाएँगे।

(घ) दादी तवे से रोटियाँ उतारती है तो हाथ जल जाता है। अगर वह चिमटा ले जाकर दादी को देगा तो वह कितनी प्रसन्न होगी और उसकी उँगलियाँ कभी न जलेंगी।

(ङ) बच्चे के त्याग, सद्भाव व विवेक को देखकर अमीना का क्रोध शांत हो गया। दूसरे बच्चों को खिलौने व मिठाई खाते देख उसका मन भी ललचाया होगा लेकिन ऐसे में भी उसे बूढ़ी दादी की याद रही। इन्हीं बातों को सोचकर अमीना का क्रोध जाता रहा।

2. क. ✓ ख. ✗ ग. ✗ घ. ✗ ङ. ✓

3. (क) (ii) तीस दिन तक (ख) (ii) अमीना
(ग) (iii) तीन पैसे (घ) (ii) चिमटा
(ङ) (i) भिश्ती

4.

	किसने	**किससे**
(क)	सम्मी ने	हामिद को
(ख)	हामिद ने	दुकानदार से
(ग)	दादी ने	हामिद से
(घ)	मोहसिन ने	हामिद से
(ङ)	हामिद ने	दादी को

पाठ से आगे...

1. शायद खाने-पीने की चीज़े देखकर जी ललचा जाता। खिलौने देख उनसे खेलने का मन करता। सभी बच्चों को अच्छी-अच्छी वस्तुएँ खरीदता देखा हम स्वयं को बेबस महसूस करते।
2. स्वयं करेंगे।

भाषा और व्याकरण

1. (क) कमज़ोर (ख) बदबू (ग) आशा (घ) अच्छा

(ङ) सफ़ेद (च) ज़बान

2. (क) मिठाइयाँ (ख) चोजें (ग) उँगलियाँ (घ) आवाज़े
(ङ) टोलियाँ (च) बंदूकें (छ) बधाइयाँ (ज) चिमटे

3. (ख) खिन्न भिन्न
(ग) अमात्य प्रत्यय
(घ) कच्चा गच्चा

4.

	व्यक्ति	जाति	भाव वाचक संज्ञा
(क)	हामिद	मिठाई	त्याग
(ख)	ईद	इमारत	स्नेह
(ग)	चाँद	हलवाई	आश्चर्य
(घ)	विवेक	लड़का	प्यार
(ङ)	लखनऊ	बच्चे	प्रसन्नता

5. (क) मुहँ में पानी आ गया। (ख) पेट में चूहे कूदने लगे।
(ग) दिल बैठ गया। (घ) दिल कचोटने लगा।

आओ कुछ करें

(क) टोपी 50 रुपये (ख) पानी की बोतल - 20 रुपये
(ग) खिलौना 25 रुपये (घ) कहानी की पुस्तक 20 रुपये
(ङ) माला 10 रुपये (च) खुशबूदार रबड़ 10 रुपये
(छ) पेंसिल बॉक्स 10 रुपये (ज) कलम (पैन) 10 रुपये

पाठ 7

मौखिक

(क) नाटक (ख) रेखांकित
(ग) जब राजा सो जाता है
(घ) हमें कार्यों की स्वयं ही देख-रेख करनी चाहिए अन्यथा लोग धोखा देते रहते हैं।
(ङ) चाटुकारों अथवा चापलूसों की

लिखित

(क) अच्छा है। चाटुकारों के मध्य राजा या आँखों से अंधा राजा भी हो सकता है।
(ख) बादशाह ने रसोईघर के प्रबंधक को आदेश दिया कि रात के खाने में हमें आधा सेर मलाई बादाम, किशमिश, पिस्ता, चिलगोजा और केसर के साथ मिलनी चाहिए।
(ग) श्यामा, रसोइये, मुख्य रसोइये, निरीक्षक, मुख्य प्रबंधक आदि सभी ने खाई।
(घ) कर्तव्यनिष्ठ, कान आँख खुले रखने वाला, समझदार, कान का कच्चा न हो।
(ङ) मुख्य प्रबंधक ने कहा बादशाह तो बेसुध पड़ा है। उसे किसी बात का होश नहीं। जा श्यामा तू रबड़ी ले जाकर राजा के होंठों पर लगा आ। सुबह उठेगा तो लगेगा कि उसने रबड़ी खाई थी।

2. (क) स्वास्थ्य निरीक्षक (ख) विस्तार

(ग) जायकेदार (घ) स्वादिष्ट (ङ) चखी

3. (क) (iii) दही (ख) (ii) आधा सेर
(ग) (ii) लापरवाह (घ) (iii) चालाक
(ङ) (iii) दूध

4.

	किसने	किससे
(क)	गुरु ने	राजकुमार से
(ख)	राजा ने	सिपाही से
(ग)	श्यामा ने	रसोइये से
(घ)	निरीक्षक ने	श्यामा व रसोइये से
(ङ)	रसोइये ने	मुख्य प्रबंधक से

पाठ से आगे

स्वयं करेंगे।

भाषा और व्याकरण

1. (क) रसोइए रबड़ी
(ख) प्रधानमंत्री राष्ट्र
(ग) मथुरा (घ)हिमालय, चोटियों, बर्फ
(ङ) कश्मीरा

2. (क) देखा गुरुजी, खूब देखा। (ख) नैंसी ने अपना गृहकार्य कर लिया।
(ग) मेरे सभी दोस्त ईमानदार हैं। (घ) समय पर स्कूल जाओ
(ङ) रमा गाना गाती है।

3. (क) हरामखोरी (ख) जायकेदार (ग) ग्रहण (घ) बादशाह
(ङ) प्रबंधक (च) रसोइया

4. (ग) कटोरी (घ) दरवाज़े (ङ) राजा (च) खेतों
(छ) बर्तन (ज) चौकीदारों

आओं कुछ करें

1. मैं सुबह छह बजे उठता हूँ। दैनिक कार्यों से निवृत्त होक स्नान करता हूँ। तत्पश्चात तैयार होकर माँ द्वारा बनाया गया नाश्ता करता हूँ। मेरी माता जी मुझे बस-स्टाप तक छोड़ने जाती है। सात बजे मेरी बस आती है। 7:30 बजे स्कूल पहुँचकर पढ़ाई करता हूँ।
2. स्वयं करेंगे।

पाठ 8

मौखिक

(क) ताप और बिजली का महत्व समझ में आ गया।

(ख) इसमें अच्छे व बुरे दोनों गुण हैं। सब कुछ इसी की वज़ह से चलता है। छेड़छाड़ करें तो झटका दे देती है। संभल कर इस्तेमाल करें तो प्रशंसा करते नहीं थकेंगे।

(ग) थॉमस अलवा एडिसन ने

(घ) इसकी सहायता से हम वैज्ञानिक रूप से तरक्की करेंगे।

(ङ) झटका देकर दूर भगा देती है इसे छेड़छाड़ पसंद नहीं।

लिखित

(क) उन्होंने आसमान में पतंग उड़ाने का निश्चय किया। पर यह थोड़ी अलग तरह की पतंग थी, जो रेशम की डोर से उड़ाई जाती है। इसके निचले हिस्से में चाबी जुड़ी थी और ऊपरी हिससे पर लोहे का तार। बादलों तक पहुँचने पर लोहे के तार से बिजली पतंग की डोर में आई फिर नीचे बँधी हुई चाबी में। जब फ्रेंकलिन ने पतंग उड़ाते-उड़ाते चाबी को छुआ तो उन्हें चिट-चिट की आवाज़ के साथ करंट लगा।

(ख) ताप, पानी और ऊर्जा से बिजली का उत्पादन हो रहा है।

(ग) हमारे टी.वी. का रिमोट या कम्प्यूटर का कॉर्डलेस माउस, सबमें सूखा सेल ही काम करता है।

(घ) बिजली के बल्ब का आविष्कार कर एडिसन ने अँधेरी दुनिया को उजाले से भर दिया।

(ङ) बड़े-बड़े ताप-बिजली घरों के कारण ही आज भारत इतनी तेज़ी से वैज्ञानिक प्रगति कर रहा है और हमारे जीवन को खुशहाल बना रहा है।

2. (क) (ii) अचानक चली जाना (ख) (i) बिजली पैदा होती है।

(ग) (ii) बैंजामिन फ्रेंकलिन ने (घ) (iii) डॉ0 भाभा का

पाठ से आगे...

1. सोलर एनर्जी, वायु-ऊर्जा
   हाइड्रो-पॉवर एनर्जी
2. अंधकारमय होता। आज मानव ने जितनी तरक्की की है वह उतनी न कर पाता। यातायात के साधन उतने सक्रिय न होते। घर व बाहर मशीनों की दुनिया न होती मानव सभ्य होकर भी सभ्य न होता।

भाषा और व्याकरण

1. से, के, में, में, से, में, की, का, पर
2. (क) तड़ित (ख) वक्त (ग) समझ जाना (घ) स्रत

   (ङ) खोज (च) जलद
3. (क) तैयार हो जाना- मार्च मास में बच्चों ने वार्षिक परीक्षा हेतु कमर कस पढ़ाई करना आरंभ कर दिया है।

   (ख) पुरानी वस्तु - आज 25-50 पैसे के सिक्के तो इतिहास बनकर रह गए हैं।

   (ग) मुश्किल से दिखाई देना। बहुत दिनों बाद दिखाई देना- मित्र तुम तो ईद का चाँद हो गए हो आजकल दिखाई ही नहीं देते।

आओं कुछ करें

1. स्वयं करेंगे।
2. (i) ए.सी. चलाने पर घर के सभी सदस्य वहीं बैठकर कार्य करें

   (ii) कम से कम एक घंटा (प्रतिदिन) बिजली के सभी उपकरणों को बंद कर दें।

(iii) आवश्यकता न होने पर बिजली का बटन बंद कर दें।

(iv) दिन में बल्ब न जलाएँ।

पाठ 9

मौखिक

(क) अण्डे जैसा

(ख) पहले अंडे जैसा, फिर घोंसले जैसा बाद में पेड़ की शाखाओं जैसा

(ग) सुकुमार अर्थात् कोमल व नाजुक थी

(घ) तिनकों से

लिखित

(क) वह अंडे में बंद था तो उसे लगता था यही उसकी दुनिया है।

(ख) घोंसले में आकर लगा कि संसार बस घोंसले जितना ही है।

(ग) ईश्वर की बनाई दुनिया बहुत बड़ी है, इसके रहस्य भी बहुत हैं इसलिए इसे समझने के लिए निरन्तर आगे बढ़ते रहना चाहिए।

(घ) जब चिड़िया का बच्चा आज़ाद घूमा तभी समझ में आया दुनिया बड़ी विशाल है। इसे जानने के लिए हमें हमेशा प्रयत्न करते रहना चाहिए।

2. स्वयं करेंगे।

3. (क) (i) अंडे से (ख) (iii) हरी-भरी एवं सुकुमार

(ग) (iii) बहुत बड़ा (घ) (i) तिनकों से

कविता से आगे...

1. मैं मस्त होकर आकाश में घूमता। मुझे स्कूल जाकर पढ़ाई नहीं करनी पड़ती। फलों से लदे पेड़ पर रहता। जिस भी फल को खाने की इच्छा होती उसे खा लेता। आकाश की ऊँचाइयों को छूने का प्रयत्न करता।

2. अपने से बड़ों से उस विषय के बारे में जानने का प्रयत्न करेंगे। पुस्तकों से तथा अपने अध्यापकों से चर्चा करेंगें। आजकल तो इंटरनेट का ज़माना है मि. गूगल से पूछकर पता लगाएँगे।

भाषा और व्याकरण

1. (क) नभ गगन

(ख) विश्व जग

(ग) कोमल नाज़ुक

(घ) पेड़ विटप

(ङ) खग विहग

2. (क) पास (ख) कठोर (ग) अज्ञान (घ) सीमित

(ङ) सफ़ेद (च) गीला

3. (क) पक्षी पंख फैलाकर उड़ रहे थे। (ख) मैंने सारी बात समझ ली।

(ग) बकरियाँ हरी-भरी घास चर रही थी।

(घ) ईश्वर ने सुंदर संसार बनाया है।

(ङ) चिड़िया ने आम के पेड़ पर घोंसला बनाया।

आओ कुछ करें

स्वयं करेंगे।

पाठ 10

मौखिक

(क) पाँच (ख) माँ की इज़्ज़त करता है, उससे प्यार करता है।

(ग) शक्ति और सामर्थ्य में उसकी बराबरी कोई नहीं कर सकता।

(घ) तीसरी स्त्री के बेटे के कंठ में (ङ) चौथी-स्त्री

लिखित

(क) उसका कंठ मधुर है। वह बहुत अच्छा गाता है। उसके गीत सुनकर कोयल और मैना भी चुप हो जाती है। लोग बड़े चाव से उसका गीत सुनते हैं।

(ख) मेरा बेटा साक्षात सरस्वती का अवतार है। वह जो कुछ पढ़ता हैं, एकदम याद कर लेता है। ऐसा लगता है, मानों उसके कंठ में सरस्वती का निवास हो। हीरा है हीरा, मेरा बेटा।

(ग) असली हीरा। उसने अपने कार्य से सिद्ध कर दिया कि वह ही असली हीरा कहलाने लायक है।

(घ) चौथी स्त्री के पुत्र को क्योंकि उसने ही माँ की तकलीफ को समझ और उसकी सहायता करने का निश्चय किया।

2.

	किसने	**किससे**
(क)	पहली स्त्री ने	चौथी स्त्री से
(ख)	दूसरी स्त्री ने	बाकी तीनों स्त्रियों से
(ग)	चौथी स्त्री ने	अन्य सभी से
(घ)	चौथी स्त्री के पुत्र ने	अपनी माँ से
(ङ)	बूढ़ी स्त्री ने	सभी स्त्रियों से

3. (क) (iii) संध्या के समय (ख) (iii) कुएँ से

(ग) (iii) भीम से (घ) (ii) पहली (ङ) (iii) दोनों

4. (क) औरतें (ख) बराबरी (ग) ध्यान (घ) घड़ा

पाठ से आगे

1. मैं चौथी स्त्री का बेटा बनाना पसंद करूँगां माँ मेरे इतने सारे कार्य करती है मुझे भी उनके कार्यों में हाथ बँटाकर खुशी मिलेगी। साथ ही साथ माँ भी खुश हो जाएगी।
2. एकदम उचित। कुछ भी बनने से पहले हमें अच्छा इंसान बनाना चहिए। ईश्वर ने मानव को इस संसार की सबसे खूबसूरत रचना इसलिए बनाया ताकि वह समय-समय पर अपनी सूझ-बूझ का परिचय देकर इस धरती को सुंदर बना सके।

भाषा और व्याकरण

1. स्वयं करेंगे।
2. (ख) खच्चर, कच्चा (ग) कच्छा, लच्छा (घ) द्वापर, द्वंदव

3. (क) आदमी (ख) गायक (ग) वृद्ध (घ) शिखक
(ङ) मर्द (च) अध्यापक
4. (क) महिलाएँ (ख) घड़ा (ग) हीरे (घ) नायक
(ङ) कुएँ (च) बहादुर
5. (क) बलवान ताकतवर
(ख) खग विहग
(ग) रवि दिनकर
(घ) तटिनी तरंगिनी
(ङ) जग भुवन
(च) पुत्र तनय
6. विशेषण विशेष्य
(क) अच्छा गाना
(ख) अनमोल हीरा
(ग) आधुनिक युग
(घ) मधुर स्वर
(ङ) काली कोयल

आओ कुछ करें

स्वयं करेंगे।

पाठ 11

मौखिक

(क) विज्ञान को (ख) ए.जे. वेस्ट
(ग) रेल परियोजना अधिकारी थे। (घ) सितारा-ए-अफगानिस्तान
(ङ) 1947 में लंदन की 'जियोलॉजिकल सोसाइटी' के 'लायल मेडल' से अंलकृत किया गया।

लिखित

(क) प्रसद्धि भू-वैज्ञानिक थे। विलियम-डी वेस्ट का जन्म 27 जनवरी, 1901 को कस्बा बर्नमाऊथ, इंग्लैण्ड में हुआ था।

(ख) उनकी प्रारंभिक शिक्षा व उसके बाद के अध्ययन का केन्द्र केटरबरी का किंग्स स्कूल था।

(ग) 'इंडियन जियोलॉजिकल सर्वे' की एक परियोजना में कार्य करने की लालसा से वे भारत आए। वहाँ छिंदवाड़ा, नागपुर, सिवनी, बाला घाट एवम् चंदरपुर आदि क्षेत्रों में मैंगनीज़ के प्रचुर भंडार की खोज की।

(घ) उत्तर मौखिक (घ, ड) का उत्तर ही लिखित ग का उत्तर है। तथा 1959 में ब्रिटेन की महारानी के 'सी आइ-ई' अलंकरण कोलकाता एशियाटिक सोसाइटी के 'बोस मोमोरियल मेडल, 1991 में ब्रिटेन की महारानी के 'एम.ओ.बी.आई' उपाधि द्वारा भी अलंकृत किए गए।

(ङ) 1929-30 में शिमला की पहाड़ियों के अध्ययन से 'शाली खिड़की' और 'शिमला नैंपे की अवधारणा प्रस्तुत की। 'ड्रेक्पन ट्रेप के अड़तालीस लावा स्तर पर लिखा शोध-पत्र विश्व प्रसिद्ध हुआ। यह शोध-पत्र अहमदाबाद व कठिया वाड़ क्षेत्रों में फैले 'ड्रेक्पन ट्रेप' आग्नेय शैलों के अध्ययन पर केंद्रित था। ब्लूचिस्तान और क्वेटा के भूकंप पर इनके द्वारा लिखे लेख भी विश्व प्रसिद्ध हुए।

2. (क) ✓ (ख) ✗ (ग) ✓ (घ) ✓ (ङ) ✗
3. स्वयं करेंगे।
4. (क) (ii) भू-वैज्ञानिक (ख) (i) मैंग्नीज़ की
   (ग) (i) कोयला (घ) (ii) 1938 में

पाठ से आगे

स्वयं करेंगे।

भाषा और व्याकरण

1. (क) अफ़गानिस्तान (ख) जिज्ञासु (ग) महागाथा (घ) भूकंप
   (ङ) विश्वविद्यालय (च) सर्वाधिक
2. (क) आज से कुरुक्षेत्र में मेला लगने वाला है। पहले हरिजन मैला उठाने का कार्य करते थे।
   (ख) भारत में सभी धर्मों को समान समझा जाता है। मुझे बाज़ार से सामान लाना है।
3. (क) के बाद (ख) के बीच (ग) के नीचे (घ) के अंदर
   (ङ) के सामने
4. (क) हरा देना- रानी लक्ष्मीबाई ने युद्ध के मैदान में अंग्रेजी सेना के छक्के छुड़ा दिए।
   (ख) कम शब्दों में अधिक कहना- बिहारी के दोहे गागर में सागर भरने का काम करते हैं।
   (ग) लार टपकाना- चटपटा स्वादिष्ट खाना देख मेरे मुँह में पानी आ गया।
   (घ) अपनी प्रशंसा स्वयं करना- हमें अपने मुँह मियाँ मिट्ठू नहीं बनना चाहिए।

आओ कुछ करें

1. आज का युग विज्ञान का युग है। वैज्ञानिकों ने अपनी खोजो से मनुष्य जीवन में अनेक परिवर्तन से क्रांति ला दी है। मानव ने विज्ञान के बल पर प्रकृति को अपनी दासी बना लिया है। बिजली का उत्पादन विज्ञान की सबसे बड़ी देन हैं यातायात के आधुनिक वैज्ञानिक साधनों के कारण मानव एक दूसरे के निकट पहुँच गया। घर में या घर से बाहर हर जगह वैज्ञानिक उपकरण हमारी सहायता करते हैं। यदि आज हम इन उपलब्धियों के बिना जीना भी चाहें तो जी नहीं सकते। विज्ञान ने चारों तरफ से मानव को घेर लिया है। हमें इसका सदुपयोग करना चाहिए दुरूपयोग नहीं। नहीं तो सृष्टि को नष्ट होने में अधिक समय नहीं लगेगा।
2. स्वयं करेंगे।

पाठ 12

मौखिक

(क) निधि (ख) आवर्धक लैंस

(ग) नवीं-दसवीं के विज्ञान के शिक्षक थे।
(घ) उन्हें आज कुछ नया सीखने को मिला था।
(ङ) विज्ञान अध्यापक श्री भाटिया जी

लिखित

(क) आवर्धक लैंस से कागज जला रहा था।
(ख) रवि काँच से कॉपी जला रहा है।
(ग) कोयला, लकड़ी, बिजली, गैस, पेट्रोल, डीज़ल, मिट्टी का तेल आदि।
(घ) वैज्ञानिकों ने पारंपरिक उर्जा का विकल्प ढूँढ़ना आरंभ कर दिया। उन्होंने सोचा उर्जा उन संसाधनों से प्राप्त की जाए, जो विश्व में हर स्थान पर प्रचुर मात्रा में उपलब्ध हो। प्रकृति से प्राप्त संसाधनों से वैज्ञानिकों ने नए-नए प्रयोग आरम्भ कर दिए।

2. (क) ✓ (ख) ✗ (ग) ✓ (घ) ✓ (ङ) ✓ (च) ✓
3. (क) (i) रवि ने (ख) (iii) सौर उर्जा
(ग) (ii) आधुनिक (घ) (ii) उन्होंने नया ज्ञान सीखा था।
(ङ) (ii) आवर्धक लैंस से

पाठ से आगे

जब आवश्यकता हो तभी गैस जलाएँ बार-बार गर्म करके उर्जा व्यर्थ न करें एक ही बार इकट्ठे खाना बनाकर खाले।

भाषा और व्याकरण

1. (क) खोजें (ख) साधन (ग) सफलता (घ) विकल्पों
(ङ) बात (च) समस्याएँ
2. (क) मैंने कल ही अपने बाल कटवाए थे।
(ख) छोटे-छोटे बाल, खिलौने पाकर खुश हो जाते हैं
(क) मैं कल बाज़ार जाऊँगा।
(ख) घर में आपातकाल के लिए कल-पुर्जे अवश्य होने चाहिए।
3.

स्त्रीलिंग	**पुल्लिंग**
नौकरानी	शेर
बहन	धोबी
दादी	नाई
बुढ़िया	फूल
मुर्गी	पापा

4. (क) नमित ने भोजन कर लिया था।
(ख) रूपा छत पर बैठकर पढ़ रही है।
(ग) छाया अपनी सखी के साथ खेलेगी।
(घ) अध्यापिका स्वामी विवेकानन्द के बारे में बताएँगी।

आओ कुछ करें

1. रवि अपने पापा के साथ घूमने जा रहा था रास्ते में लाल बत्ती हो गई। पापा ने सड़क पार

करने के लिए हरी बत्ती तक इंतज़ार करने के लिए कहा। जैसे ही हरी बत्ती हुई पापा और रवि ने सड़क पार कर ली ओर वे पार्क में घूमने के लिए चले गए।

2. स्वयं करेंगे।

पाठ 13

मौखिक

(क) द्वेष, कलह मिटाकर सबको गले गलाने का।

(ख) सुहावना होता है। (ग) प्रेम की बोली गूँज रही है।

(घ) प्रेम का दीपक। ये होली का त्योहार सभी को खुशियाँ प्रदान करता रहे।

लिखित

(क) द्वेष, कलेष व भय मिट जाता है।(ख) रंगों से सने हुए होते हैं

(ग) आपसी भेदभाव भुलाकर मिलकर त्योहार मनाना व एक दूसरे की खुशियों का ध्यान रखना।

(घ) यह त्योहार रंगों का त्योहार है। सभी आपसी भेदभाव भुलाकर एक दूसरे को रंग लगाकर गले मिलते हैं।

2. स्वयं करेंगे।

3. (क) (i) फाल्गुन (ख) (iii) गुलाल से

(ग) (iii) भाईचारा (घ) (ii) मनोहर

कविता से आगे...

1. पहला पार्ट बच्चे स्वयं लिखें।

इससे भाईचारा व अपनत्व का संदेश मिलता हैं। भेदभाव भुलाकर सभी को गले लगाना व खुशियों के रंगों से सरोबार करने का संदेश मिलता हैं

2. त्योहार जीवन में नवीनता लाते हैं। हमें जोश व उमंग से भर देते हैं। रोजमर्रा की जिंदगी में बदलाव लाते हैं। आपसी झगड़ों को खत्म कर प्यार व भाईचारा बढ़ाते हैं। मिलजुल कर रहना सिखाते हैं। इसलिए हमारे जीवन में इनका बहुत महत्त्व है।

भाषा और व्याकरण

1. (क) हरे (ख) मीठे (ग) बड़ी (घ) ठंडी (ङ) नए

2. (क) छोटी (ख) डोला (ग) राजा (घ) घूमता (ङ) गम

(च) गुड्डा

3. (क) कल (ख) निर्भय (ग) खोटा (घ) घृणा

(ङ) बूढ़ा/बच्चा (च) विदेश (छ) पुराना (ज) मित्र

आओ कुछ करें

स्वयं करेंगे।

पाठ 14

मौखिक

(क) राजा कृष्णदेव का

(ख) जितने आपके सर के बाल हैं उतने ही पक्षी है।

(ग) एक लाख ग्यारह हज़ार एक सौ ग्यारह हैं।
(घ) तेनालीराम ने (ङ) अजीबो-गरीब प्रश्न पूछते थे।

लिखित

(क) हमारे राज्य में कुल मिलाकर कितने पक्षी होंगे?
(ख) इस अनोखे प्रश्न को सुनकर सभी बगलें झाँकने लगें।
(ग) भला उड़ने वाले पक्षियों का क्या ठिकाना, आज इधर तो कल उधर। उनकी गिनती सम्भव कैसे हो सकती है।
(घ) 'अन्य राज्य के पक्षी इस राज्य के संबंधियों से मिलने आए होंगे' यही जवाब दिया।
(ङ) तेनालीराम हाज़िर-जवाब था। अपनी सूझबूझ और वाक्पटुता से सबकों निरूतर कर देता था।

2. (क) विचित्र (ख) पक्षी (ग) सिर में बाल (घ) रिश्तेदारों
(ङ) वाक्पटुता
3. (क) ✗ (ख) ✓ (ग) ✗ (घ) ✓ (ङ) ✗
4. (क) (ii) राजा ने (ख) (iii) तेनालीराम ने
(ग) (iii) चालाकी (घ) (i) राज्य में कितने पक्षी हैं?

पाठ से आगे

1. हम मुश्किल का सामना धैर्य के साथ करते हैं तभी हमारी समस्या का समाधान ढूँढ़ने में सफलता मिल जाती है।
2. शायद तेनालीराम के जैसा नहीं। तेनालीराम वाक्पटुता व सूझबूझ में निपुण थे हर कोई उनके जैसा नहीं होता।

भाषा और व्याकरण

1. र्म - मर्म ष - वर्ष
र्च - चर्च ज़्र्ज़ - कर्ज़
र्क - कर्क
2. (ख) पुस्तक (ग) दरबारी (घ) विदूषक
3. (क) कठिन (ख) चालाक (ग) हिम्मत (घ) गुप्त
(ङ) खग (च) मौका

आओ कुछ करें

स्वयं करेंगे।

पाठ 15

मौखिक

(क) जो अंश माटी के भीतर प्रवेश करता है, वह जड़ है।
(ख) जड़ व तना दो भाग होते हैं
(ग) माटी, हवा व पानी से
(घ) माटी व जल के बिना
(ङ) जड़ के द्वारा माटी से

लिखित

(क) अपने शरीर का रस पिलाकर बिरछ बीज़ों का पोषण करता है। वह अपनी संतान की खातिर सब कुछ लुटा देता है। जो शरीर कुछ दिन पहले हरा-भरा था, अब वह बिलकुल सूख जाता है, अब उसमें अपने ही शरीर का भार उठाने की शक्ति नहीं रहती। एक-एक करके सब डालियाँ टूट पड़ती हैं।अंत में एक दिन अकस्मात पेड़ जड़ सहित ज़मीन पर गिर जाता है।

(ख) जड़ व तना दो भाग होते है।
जड़ ज़मीन के नीचे व तना ऊपर रहता है।
जड़ को पोषण मिलता है तभी तना फलता-फूलता है।

(ग) सारी पत्तियाँ और डालियाँ अँधकार से बचकर प्रकाश की ओर बढ़ रही होती है। इसलिए बेल लताओं पेड़ों से लिपटकर लगातार ऊपर की ओर बढ़ती है।

(घ) जब हम साँस लेकर उसे बाहर निकालते हैं, तो एक प्रकार की विषाक्त वायु बाहर निकलती है। इसे 'अंगारक वायु' कहते हैं। अगर यह ज़हरीली वायु धरती पर इकट्ठी होती रहे तो तमाम जीव-जन्तुओं के लिए ज़हर है, गाछ-बिरद उसी का सेवन करके उसे पूरी तरह शुद्ध बना देते हैं।

(ङ) वे प्रेमभरी वाणी में पुकार सकते हैं- कहाँ हो मेरे बंधु, मेरे बाँधव? आज मेरे घर आओ। कही रास्ता भटक न जाओं इसलिए रंग-बिरंगे फूलों के निशान लगा रखे हैं। ये रंगीन पंखुड़ियाँ दूर से देख सकोगे।

2. (क) पेड़-पौधे नन्हें बीज़ों को अंकुरित करने के लिए उनका पालन पोषण करते है और स्वयं को नष्ट कर देते हैं।

(ख) फूलों से कीट-पतंगे, पक्षी उनके परागकरण चूस लेते हैं, इस प्रकार बिरछ अपने शरीर को नष्ट कर बीज को पोषित करता है।

(ग) तना अपने अंदर शहद इकट्ठा करके रखता है संध्या समय पुष्पों की सुगंध होने पर कीट आकर्षित होकर उसका रसपान करते हैं।

3. (क) (ii) जड़ (ख) (iii) पराग-कण

(ग) (i) जड़ के द्वारा (घ) (ii) ऑक्सीजन छोड़कर

(ङ) (i) जब उनके ऊपर फूलों की बहार छा जाती हैं।

पाठ से आगे

1. परोपकार की भावना। ये पेड़-पौधे सदा से ही मानव के लिए अन्य जीव-जन्तुओं के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर करते आए हैं। मानव को भी सदा दूसरों की भलाई के कार्य करते रहना चाहिए।

2. पेड़-पौधे सूर्य से प्रकाश, धरती से जल, मिट्टी तथा वातावरण से वायु ग्रहण कर भोजन का निर्माण करते हैं, इसे प्रकाश- संश्लेषण क्रिया कहते है। इस क्रिया को करते समय उन्हें कार्बन-डाइ-ऑक्साइड की आवश्यकता होती है जिसे मानव सांस द्वारा छोड़ता है। इसे पौधे ग्रहण कर लेते हैं और भोजन बनाने की इस क्रिया में वे हमें ऑक्सीजन वापिस कर देते हैं जिसे ग्रहण कर मानव धरती पर जीवित रह पाता है।

इसी आदान-प्रदान के द्वारा पौधे स्वच्छ पर्यावरण का निर्माण करते हैं।

भाषा और व्याकरण

1. (क) पेड़ विटप
   (ख) अनिल पवन
   (ग) धरा वसुंधरा
   (घ) जल नीर
2. (क) मिट्टियाँ (ख) फूलों (ग) मधुमक्खियाँ (घ) तितलियाँ
   (ङ) नदियाँ (च) पंखुड़ियाँ
3. (क) कल्पना + इत = कल्पित (ख) प्रभाव + इत = प्रभावित
   (ग) पुष्प + इत = पुष्पित (घ) प्रस्ताव + इत = प्रस्तावित
   (ङ) ग्वाला + इन = ग्वालिन (च) समधी + इन = समधिन
   (छ) पंडित + आइन = पंडिताइन (ज) लाला + इन = ललाइन

आओ कुछ करें

स्वयं करेंगे।

पाठ 16

मौखिक

1. (क) माली से
   (ख) जिस रास्ते से वीर मातृभूमि पर कुर्बान होने जाते हैं।
   (ग) राजाओं के शव पर डाले जाने की

लिखित

(क) सुरबाला के गहनों में गुँथने की, प्यारी को ललचाने की, राजाओं के शव पर डाले जाने की नहीं होती।

(ख) उसे मातृभूमि से प्यार हैं उसकी धूल में मिल उसका ही अंश बनना चाहता है, स्वंय प्रसन्न होना चाहता है।

(ग) जिस रास्ते से वीर मातृभूमि पर कुर्बान होने जा रहे हैं, उस रास्ते पर डाले जाने की।

(घ) मातृ भूमि से प्यार कर उस पर तन-मन न्यौछावर करने का संदेश देती हैं। साथ ही धरती माँ से बढ़कर कुछ नहीं ऐसा संदेश देती है।

2. स्वयं करेंगे।
3. (क) (i) वीरों की राह पर (ख) (iii) ईर्ष्या
   (ग) (i) सुर बाला के गहनों में गुँथने की

कविता से आगे...

स्वयं करेंगे।

भाषा और व्याकरण

1. अपने, उसकी, वह, उसने, अपनी, मैं, अपने, खुद, मैं, अपना, अपनी यह, वे
2. (क) पहली (ख) घंटी (ग) तुम्हारी (घ) बेटी

(ङ) मेरी (च) सच्ची (छ) देवी (ज) बकरी

3. (क) ललचाऊँ (ख) लेना (ग) पढ़ूँ (घ) खाला
(ङ) टेक (च) उधर

आओ कुछ करें

स्वयं करेंगे।

आदर्श प्रश्न पत्र-1

1. (क) (i) बचपन में (ख) (i) बच्चों पर (ग) (i) बच्चों को
2. भला मेहनती कुर्बानी छोटी कोमल
3. बच्चे! देश का भविष्य
4. (क) बच्चों को मेहनती बनाया जाए। मितव्ययता व कुर्बानी के सबक सिखाए जाएँ।
   (ख) कुछ भी कार्य करने पर उन्हें रोकना-टोकना नहीं चाहिए।
   (ग) बच्चें देश के भावी नागरिक हैं। वे ही आने वाले समय में उन्नत समाज की रचना करेंगे।
5. (क) निर्झर (ख) शिक्षा (ग) तेवर (घ) कठोर
6. (क) + मान = सम्मान (ख) + मान = शक्तिमान
   (ग) + मान = अभिमान (घ) + वान = बलवान
7. (क) झूरी को अपने बैलों से बहुत प्यार था।
   (ख) अब हीरा और मोती आज़ाद थे।
   (ग) रवि तुम्हें देखकर डर गया।
   (घ) गया के घर में एक छोटी सी लड़की थी।
8. (क) द् + ऊ + न् + इ + य् + आ
   (ख) इ + ल् + आ + ह् + अ + ब् + आ + द् + आ
   (ग) ज् + अ + व् + आ + ब् + अ
   (घ) क् + अ + ठ् + ओ + र् + अ
9. (क) बात (ख) शेर (ग) चारों (घ) रखवालों (ङ) व्यापारी
10. घ - 1 ग - 2 क - 3 ङ - 4 ख - 5
11. (क) शेर की हड्डियाँ देखीं।
    (ख) रस्सी तोड़कर भाग निकले।
    (ग) अपनी कहानी बताता है कि कैसे वह एक बड़ी चट्टान से गोल व चमकीला रोड़ बना।
    (घ) बच्चे का त्याग, स्नेह ओर सद्भाव देखकर।
    (ङ) कर्तव्यनिष्ठ, आँख-कान खुली रखने वाला व समझदार होना चाहिए।
12. प्रिय मित्र,

    सप्रेम नमस्कार।

    कल ही तुम्हारा पत्र मिला जानकर अत्यंत प्रसन्नता हुई कि आप कक्षा में प्रथम आए हैं। मैं तो पहले से ही जानता था कि आप जिस तरीके से पढ़ाई कर रहे हैं आप कक्षा में

अवश्य ही प्रथम आएँगे। मित्र, आपको बहुत-बहुत बधाई हो। मेरे माता-पिता भी तुम्हारी इस सफलता पर खुश होकर तुम्हें बधाई देते है। घर में सभी को यथायोग्य अभिवादन कहना।

तुम्हारा मित्र,

समीप वासु

13. गुरुपूरब

जैसा कि नाम से ही स्पष्ट है कि यह गुरु की याद में मनाया जाता है। सिखों के दस गुरु हुए हैं। प्रथम गुरुनानक देव जी और दसवें गुरु गोविंद सिंह जी। उन्हें की याद में उनकी शिक्षाओं को याद करते हुए पूरे भारत में गुरुद्वारों को सजाया जाता है। पंद्रह दिन पहले से ही गुरु का यशोगान करते हुए भक्तगण प्रभातफेरियाँ निकालते हैं। जगह-जगह लंगर की व्यवस्था होती है। अमीर-गरीब सभी एक जगह बैठकर मिल-बाँटकर खाते हैं और गुरु साहब द्वारा दी गई समाज के प्रति उनकी शिक्षाओं को याद करते हैं। बच्चे जुलूस में मस्ती करते हैं। भारत में सभी धर्मों को मनाने का अधिकार है। मुझे गुरुपर्व पर बहुत अच्छा लगता है।

आदर्श प्रश्न पत्र-2

1. (क) (i) विद्यार्थी का (ख) (ii) नहीं
   (ग) (ii) उच्च
2. हम साधरण जीवन व्यतीत करते हैं। माता-पिता व बहन-भाइयों के साथ रहते हुए आनंद का अनुभव करते हैं। जीवन में सुख-शांति के लिए प्रभु से प्रार्थना करते हैं।
3. सादा जीवन, उच्च विचार
4. (क) साधारण। फैशन व शरीर की सजावट की ओर ध्यान न देने वाला होना चाहिए।
   (ख) उच्च विचार हों, मन पवित्र हो, कोई गलत कार्य न करें न करने की सोंचें।
   (ग) इसी समय भावी जीवन की नींव रखी जाती है यदि हमारे विचार उच्च होंगे तभी हम पढ़ाई में ध्यान लगा पाएँगे।
5. (क) पास (ख) कठोर (ग) अज्ञान (घ) संक्षित (ङ) गीला
6. (क) पुरुष (ख) गायक (ग) वृद्धा (घ) शिक्षिका (ङ) मर्द
7. (क) हरे (ख) मीठे (ग) बड़ी (घ) ठण्डी (ङ) नए
8.

	किसने	**किससे**
(क)	पहली स्त्री ने	चौथी स्त्री से
(ख)	दूसरी स्त्री ने	बाकी तीनों से
(ग)	चौथी स्त्री न	अन्य सभी से
(घ)	चौथी स्त्री के पुत्र ने	अपनी माँ से
(ङ)	बूढ़ी औत ने	सभी स्त्रियों से

9. (क) ✓ (ख) ✓ (ग) ✓ (घ) ✓ (ङ) ✗
10. (क) बहुत अच्छा! शुरु में दुनिया छोटी लगी जब उड़ना सीखा तभी जाना दुनिया बहुत बड़ी है।

(ख) वह बहुत अच्छा गाता था। लगता था जिह्वा पर सरस्वती का वास है।
(ग) केंटरबरी के किंग्स स्कूल में
(घ) द्वेष, आपसी झगड़े भुलाकर सब को गले लगाने का।
(ङ) रवि काँच से कागज़ जला रहा है।

11. सूर्य की रोशनी पड़ते ही रात्रि का अंधकार समाप्त हो जाता है। लेकिन संध्या आते ही घनघोर रात सभी की कार्य करने की शक्ति को छीन लेती थी इसलिए बिजली का आविष्कार हुआ। बिजली के आविष्कार से मानव ने खूब तरक्की की। घर से लेकर बाहर कारखानों तक में बिजली ने अपनी धाक जमा ली। मानव जीवन में बिजली के महत्त्व को नकारा नहीं जा सकता अगर बिजली न होती तो आज हमने जितनी तरक्की की हैं उतनी न कर पाते। लेकिन हमें ज़रुरत के हिसाब से ही इसका प्रयोग करना चाहिए। इसे व्यर्थ नष्ट नहीं करना चाहिए। इतनी बड़ी जनसंख्या की आवश्यकताओं को बिजली की सहायता से ही पूर्ण कर पा रहे हैं।

12. सेवा में
प्रधानाचार्य जी,
केन्द्रीय विद्यालय,
दिल्ली।

विषयः अवकाश हेतु प्रार्थना-पत्र।

मान्यवर

मैं कक्षा चौथी का छात्र हूँ और तीन दिन के अवकाश हेतु आपको पत्र लिख रहा हूँ।

मेरे पाँव में कल शाम साइकिल चलाते समय चोट लग गई थी। डॉ. ने मुझे कुछ दवाइयाँ दी साथ ही तीन दिन आराम करने की सलाह भी दी है। कहा है आराम करोगे तो पैर पर दबाव नहीं पड़ेगा तो पैर जल्दी ठीक हो जाएगा।

आपसे अनुरोध है कि आप मुझे तीन दिन का अवकाश देकर कृतार्थ करें। में अपना कक्षा-कार्य उपस्थित होने पर अध्यापिका जी को स्वयं ही दिखा दूँगा।

धन्यवाद

आपका शिष्य,
विक्रम चावला
..जनवरी, 20..

मधुर हिंदी

Interactive Resources

- Download the free app 'Green Book House' from google play.
- Free online support available on 'www.greenbookhouse.com'.
- Ample teacher's support available.

GREEN BOOK HOUSE
(EDUCATIONAL PUBLISHER)
F-214, Laxmi Nagar, Mangal Bazar, Delhi-110092
Phone : 9354766041, 9354445227
E-mail : greenbookhouse214@gmail.com
Website: www.greenbookhouse.com